

SHRI YESHWANTRAO CHAVAN: I certainly share the view that one must naturally go on reviewing the position constantly. One cannot keep one's mind closed. So far the World Bank projects were particularly related to non-agricultural sector. We have persuaded them to look into the agricultural sector now. They are taking interest in certain agricultural projects. In the case of Andhra Pradesh, for example, we are trying to get loan for Pochampad project. In view of our new policy, naturally, one will have to be constantly vigilant and review the position from time to time.

SHRI K. D. MALAVIYA: Why should not the initiative be left to the Central Government?

SHRI YESHWANTRAO CHAVAN: I think, the initiative is with the Central Government. It is not that something is imposed by anybody on us. It is on our own initiative. Even if the State Government shows interest, they prepare the project and then we approve it. Then alone the things are taken up. It is not that somebody has imposed certain schemes on us.

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राज्य की परियोजनाओं के लिये धन एकत्र करने के सम्बन्ध में अनुमति की मांग

*885. श्री हुकम चन्द कछवाय : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य की परियोजनाओं के लिये खुले बाजार से धन एकत्र करने हेतु ऋण प्राप्त करने के लिये केन्द्रीय सरकार और रिजर्व बैंक से अनुमति मांगी है ;

(ख) यदि हाँ, तो कितनी धनराशि के ऋण प्राप्त किये जायेंगे ; और

(ग) इस सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार ने क्या निर्णय किया है ?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI

YESHWANTRAO CHAVAN): (a) to (c). The borrowing programme of Uttar Pradesh Government, as also of other State Governments, is under consideration of the Reserve Bank in consultation with the State Governments concerned and the Government of India. The details of borrowing programmes of the States will, as usual, be announced by the State Governments and the Reserve Bank near the time of floatation.

श्री हुकम चन्द कछवाय : अध्यक्ष महोदय, मैं जानना चाहता हूँ कि उत्तर प्रदेश सरकार ने आपसे बहुत अधिक राशि मांगी थी और आपने बताया था कि विचार कर रहे हैं तो क्या आप वहाँ की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, वहाँ पर सिंचाई का विकास और कृषि का विकास हो इस बात को देखते हुए उनको अधिक छूट देने के लिए तैयार हैं ?

श्री यशबन्तराव चव्हाण : साहब यह तो कहा गया है कि उत्तर प्रदेश की कुछ मांगें हैं, आवश्यक मांगें हैं। लेकिन यह देखना पड़ता है कि देश में ऋण कितना ले सकते हैं। फिर भी उत्तर प्रदेश जैसे पिछड़े राज्य के लिये कुछ ज्यादा कोशिश हो सकती है क्या, यह देखने का प्रयास करते रहते हैं।

श्री हुकम चन्द कछवाय : अभी उत्तर प्रदेश सरकार ने लौटरी टिकटों की योजना बनायी लेकिन उससे उतना धन नहीं मिल रहा है जितना अपेक्षित था। तो इस प्रकार की योजना और लगा कर जनता से पैसा लेवें इसके लिये कोई वहाँ की सरकार ने सुझाव दिया है और आपने अनुमति दी है ?

SHRI YESHWANTRAO CHAVAN: Normally I don't deal with the lotteries.

MR. SPEAKER: The Question Hour is over now.

We take up the Short Notice Question of DR. V. K. R. Varadaraja Rao.